



जीवन भर हौ साथ निभाने वाला भाई-बहन का रिश्ता

भाई-बहन का रिश्ता बहुत अनमोल होता है। बचपन में तो यह रिश्ता इतना निश्चल-प्यारा होता है, जिसकी यादें दोनों के दिलों में ताऊ बसी रहती हैं, एक-दूसरे को बांधे रहती हैं। कभी कोई दूरियां आती भी हैं तो बचपन की मीठी स्मृतियां रिश्तों को सहेजती हैं। रक्षाबंधन जैसा पर्व ऐसे ही मूल्यों को सहेजता है, भाई-बहन के रिश्तों में प्रेम-स्नेह बनाए रखता है।

आवरण कथा
वीरेंद्र बहादुर सिंह

रक्षाबंधन केवल कलाई पर राखी बांधने का त्योहार नहीं है। यह पर्व भाई-बहन के दिलों को जोड़कर रखता है। राखी का धागा भले ही कुछ समय के लिए कलाई पर बंधता है, लेकिन इसके पीछे बचपन की स्मृतियां भी छिपी होती हैं, जो जीवन भर साथ जुड़े रहने के लिए उत्तेजित करती हैं। सुख-दुख में साथी बनाए रखती हैं।

हमेशा हमारे साथ रहें बचपन की प्यारी-सलोनी स्मृतियां

बचपन में भाई-बहन का रिश्ता बहुत ही सहज-प्यारा होता है। एक ही घर, एक ही आंगन, एक ही स्कूल, खिलौनों पर झगड़े, छोटी-छोटी बातों पर रूठना और कुछ ही देर बाद फिर साथ खेलना। कभी भाई अपनी बहन की चोटी खींचता है, तो कभी बहन उसकी कोई खाने की चीज चुपचाप गप्प कर जाती है। कभी दोनों भाई-बहन मिलकर कोई शरारत करते हैं, डांट पड़ने पर एक-दूसरे को बचाते हैं। यही छोटी-छोटी घटनाएं आगे चलकर जीवन की प्यारी-सलोनी स्मृतियां बन जाती हैं, एक-दूसरे को जोड़े रखती हैं।

बड़े होने पर अपने-अपने जीवन में हो जाते हैं व्यस्त

समय गुजरता है। बच्चे बड़े हो जाते हैं। पढ़ाई, नौकरी, विवाह और जिम्मेदारियां जीवन को अलग-अलग दिशाओं में ले जाती हैं। वह घर, जिसमें भाई-बहन कभी साथ रहते थे, पीछे छूट जाता है। किसी का घर दूसरे शहर

में बस जाता है, कोई विदेश चला जाता है। भाई-बहन दोनों की ही अपनी गृहस्थी बस जाती है, वे इसमें व्यस्त हो जाते हैं। मुलाकातें होती हैं। फोन पर बातचीत भी कभी-कभी हो पाती है। लेकिन दिल के किसी कोने में बचपन का वह प्यार बरकरार रहता है।

रक्षाबंधन पर फिर से पुरानी यादें हो जाती हैं ताजा

रक्षाबंधन पर बहन केवल भाई की कलाई पर रेशमी धागा ही नहीं बांधती, वह अपने बचपन को फिर से खूती भी है। उसे वह भाई याद आता है, जिसके साथ उसने गुड़िया-गुड़ू खेले थे, जिसके साथ स्कूल गई थी, जिसके साथ मिठाई बांटी थी, जिसके लिए कभी मां से छिपाकर उसका हिस्सा बचाया था। भाई के लिए भी राखी केवल एक रस्म नहीं होती। उसकी कलाई पर बंधा धागा उसे उस बहन की याद दिलाता है, जिसने उसके बचपन को, अपने स्नेह से भरा था। लेकिन उम्र बढ़ने के

साथ रिश्तों की दुनिया भी बदलती है।

विवाह के बाद बदल जाता है रिश्तों का स्वरूप

अकसर भाई-बहनों को आपस में यह शिकायत रहती है कि विवाह के बाद उनके प्रति वह प्रेम-स्नेह नहीं रहा, जो पहले हुआ करता था। वे अपने रिश्तों के प्रति उदासीन हो गए हैं। यहां यह समझने की जरूरत है कि विवाह के बाद रिश्ते बदलते नहीं, उनका स्वरूप बदलता है। बहन की प्राथमिकताएं बदल सकती हैं, लेकिन उसका भाई के प्रति प्रेम-स्नेह खत्म नहीं होता। उधर भाई की भी जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं, उसके पास समय का अभाव रहता है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि बहन उसके लिए कम महत्वपूर्ण हो गई है। कई बार

भाई-बहन के रिश्तों में दूरी इसलिए हो जाती है, क्योंकि किसी नाराजगी की वजह से दोनों बात करना बंद कर देते हैं। मन में एक शिकायत बैठ जाती है। कभी-कभी यह शिकायत लंबे समय तक बनी रहती है। भाई बहन में से कोई रिश्ते सुधारने के लिए पहल नहीं करता। रिश्ते किसी अदालत में जीते नहीं जाते, इन्हें दिल से बचाया जाता है।

किसी गलतफहमी को दूर करने के लिए एक फोन ही काफी हो सकता है। किसी नाराज भाई को मनाने के लिए बहन का एक मीठा-सा संदेश काफी हो सकता है। किसी रूठी बहन से भाई यदि केवल इतना कह दे, 'तू नाराज मत रह, तू तो मेरे लिए बहुत खास है' तो पलक झपकते उलझे रिश्ते सुलझ सकते हैं, सारी खटास दूर हो सकती है। भावभीने शब्दों में वो सामर्थ्य होती है, जो रिश्तों में व्याप्त होने वाली नीरसता और खटास को पल भर में दूर कर देते हैं।

समझें रक्षाबंधन का महत्व

रक्षाबंधन का पर्व हमें यह भी बताता है कि रक्षा केवल भाई का दायित्व नहीं है। बहन का भी दायित्व है कि वह अपने भाई की भावनात्मक ताकत बने। आज के बदलते समाज में भाई-बहन का रिश्ता एक दूसरे को सुरक्षा देते हुए परस्पर सहयोग से मजबूत बनता है। भाई-बहन यह ना भूलें कि उनका रिश्ता साझा बचपन की एक विरासत है, एक भरोसा है। राखी का धागा बहुत पतला होता है, लेकिन उसमें भावनाओं की बहुत गहरी ताकत होती है। वह कलाई पर कुछ दिनों तक रहता जरूर है, लेकिन उसका अर्थ जीवन भर साथ चलता है।

तो आइए इस रक्षाबंधन पर सभी भाई-बहन संकल्प लें कि हम अपने रिश्तों में कभी स्वास्थ नहीं लाएंगे, निरंतर संवाद बनाकर इसे बचाकर रखेंगे। धन-संपत्ति के लिए कभी अपने संबंधों को कमजोर नहीं होने देंगे। छोटी-छोटी बातों के लिए वर्षों नाराजगी नहीं रखेंगे। भाई-बहन केवल अधिकार नहीं, प्रेम

सहेली

रोहतक, मंगलवार
25 अगस्त 2026

बचपन में जरूर रखें भाई-बहन के रिश्ते की नींव

बच्चे बचपन में जो सीखते हैं, वे अच्छे गुणों और संस्कारों की नींव होती है। भाई-बहनों के बीच जब बचपन में ही एक-दूसरे का ख्याल रखने की भावना होगी, रोचरिंग होगी तो आगे बड़े होने पर यही भावना रिश्तों को जोड़े रखने, गहरा बनाए रखने में सहायक होगी।

परवरिश / सरस्वती रमेश

भाई-बहन का रिश्ता दुनिया का सबसे प्यारा और अनोखा होता है। बचपन में दोनों के बीच जितना प्यार, अपनापन और साझेदारी बनती है, बड़े होने पर रिश्ते में उतनी ही गहरी आत्मीयता दिखाई देती है। इसलिए भाई-बहन के रिश्ते की मजबूत नींव बचपन में ही रखी जानी चाहिए। यह काम अभिभावक ही कर सकते हैं।

भाई-बहन को शेरार करना सिखाएं: माता-पिता बचपन से ही बच्चों को एक-दूसरे के साथ चीजें बांटना सिखाएं। बच्चों को समझाएं कि अपनी चीजें किसी के साथ बांटने से खुशी बढ़ती है। भाई-बहन एक-दूसरे को अपनी चीजें खिलाएं, आपस में खिलौने बांटें, साथ खेलें और छोटे-छोटे कार्यों में एक-दूसरे का साथ दें। ये मामूली लगने वाली बातें उनके मन में साझेदारी और अपनत्व के बीज बोती हैं। धीरे-धीरे बांटना उनके स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। दरअसल, बचपन में सीखी गई साझेदारी बड़े होने पर रिश्ते की गमाहट बनकर साथ रहती है।

एक-दूसरे का ख्याल रखना सिखाएं: माता-पिता बच्चों को यह एहसास दें कि भाई को बहन की और बहन को भाई की फिक्र करनी चाहिए। परेशानी में एक-दूसरे का हाथ थामना और जरूरत के समय एक-दूसरे के साथ खड़ा होना ही रिश्ते को गहराई देता है। कहानियां और फिल्में भी बच्चों को इस भाव को समझाने का अच्छा माध्यम हो सकती हैं। ऐसी फिल्में, कहानियां बच्चों के मन में यह भाव पैदा कर सकती हैं कि मुश्किल समय में अपनों का साथ छोड़ना नहीं चाहिए, बल्कि उनका सहाय बनना चाहिए।

बहन के प्रति सम्मान का भाव बचपन से दें: भाई-

भाई-बहन का रिश्ता सचमुच अनमोल होता है। समय के साथ यह रिश्ता बदलता जरूर है, लेकिन अगर इसकी जड़ें बचपन में प्यार, विश्वास, साझेदारी और सम्मान से मजबूत की गई हों, तो उम्र के साथ इसकी मिठास कम नहीं होती, बल्कि और गहरी होती जाती है। हां, बड़े होने पर जिंदगी बदलती है। अपनी-अपनी जिम्मेदारियां, दूरियां, व्यस्तताएं और बदलती परिस्थितियां कई बार रिश्तों की गमाहट को धीरे-धीरे सोखने लगती हैं। एक समय जो भाई-बहन दिनभर साथ रहते थे, वे बड़े होकर महीनों एक-दूसरे से मिल नहीं पाते। बातचीत भी कई बार औपचारिक होकर रह जाती है। ऐसे समय में बचपन में बोया गया प्रेम ही रिश्ते को बचाए रखता है। इसलिए आज के माता-पिता के लिए यह और भी जरूरी है कि वे बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा और सुविधाएं ही न दें, बल्कि एक-दूसरे का साथ निभाना भी सिखाएं।

भाई-बहन का रिश्ता सचमुच अनमोल होता है। समय के साथ यह रिश्ता बदलता जरूर है, लेकिन अगर इसकी जड़ें बचपन में प्यार, विश्वास, साझेदारी और सम्मान से मजबूत की गई हों, तो उम्र के साथ इसकी मिठास कम नहीं होती, बल्कि और गहरी होती जाती है। हां, बड़े होने पर जिंदगी बदलती है। अपनी-अपनी जिम्मेदारियां, दूरियां, व्यस्तताएं और बदलती परिस्थितियां कई बार रिश्तों की गमाहट को धीरे-धीरे सोखने लगती हैं। एक समय जो भाई-बहन दिनभर साथ रहते थे, वे बड़े होकर महीनों एक-दूसरे से मिल नहीं पाते। बातचीत भी कई बार औपचारिक होकर रह जाती है। ऐसे समय में बचपन में बोया गया प्रेम ही रिश्ते को बचाए रखता है। इसलिए आज के माता-पिता के लिए यह और भी जरूरी है कि वे बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा और सुविधाएं ही न दें, बल्कि एक-दूसरे का साथ निभाना भी सिखाएं।

खुशियों की सौगात है मेरा प्यारा भाई

हर बहन के लिए उसका भाई बहुत प्यारा होता है। कुछ फिल्म-टीवी एक्ट्रेस और सिलिविटीज सहेली को बता रही हैं, उनके भाई उनकी जिंदगी में क्या मायने रखते हैं, वे अपने भाई के साथ रक्षाबंधन का पर्व कैसे मनाती हैं? सहेली की पाटिकाओं को वे क्या मैसेज देना चाहेंगी?

अर्जुन हम बहनों को लेकर बहुत प्रोटेक्टिव है
जाह्नवी कपूर एक्ट्रेस

पहले मैं और मेरी छोटी बहन खुशी हर रक्षाबंधन पर जब अपनी सखी-सहेलियों को अपने भाइयों को राखी बांधते देखती थीं, तो हम भाई के प्यार के लिए तरसते थे। उस दौरान हमें लगता था, काश! हमारा भी कोई भाई होता, जिसे हम रक्षाबंधन पर टीका लगाते, राखी बांधते। वैसे बचपन से ही अर्जुन कपूर हमारा फेवरेट था, लेकिन कभी हमारी हिम्मत नहीं हुई कि हम उसको राखी बांधने के बारे में बोलें। हम दोनों बहनों की ही बहुत ज्यादा इच्छा थी, हम अपने भाई अर्जुन को राखी बांधें, लेकिन यह हमारे लिए एक सपना-सा था। मेरी मां की डेथ के बाद अर्जुन के साथ हमारे रिश्ते में एक नया मोड़ आया। उस नाजुक वक्त में हमें संभालने वाला अर्जुन ही था। हमें मेंटली सपोर्ट करके अर्जुन ने हमारा इतना साथ दिया कि एक समय के लिए हमें ऐसा लगा, जैसे हमारी मां ने ही उसको हमारे लिए भेजा है। अर्जुन के जैसा प्यारा भाई पाना मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी खुशी थी। वह हम तीनों बहनों-अंशुला, खुशी और मुझे लेकर बहुत प्रोटेक्टिव है। वह हमेशा हमारा बहुत ध्यान रखता है। अर्जुन के हमारी जिंदगी में आने के बाद रक्षाबंधन हमारे लिए खुशियों से भरा फेस्टिवल हो गया है। हम सभी रक्षाबंधन के दिन एक साथ मिलकर पूरे रीति-रिवाज के साथ इस त्योहार को धूमधाम से मनाते हैं। हर साल मैं रक्षाबंधन के लिए स्पेशली एक खूबसूरत ट्रेंडिशनल ड्रेस खरीदती हूँ। इसे पहन कर अर्जुन को राखी बांधती हूँ, टीका करके मिठाई खिलाकर रक्षाबंधन को पूरे जोश के साथ मनाती हूँ। इस साल भी हम भाई-बहन मिलकर रक्षाबंधन का त्योहार, पूरे उत्साह के साथ मनाएंगे। रक्षाबंधन के अवसर पर 'सहेली' की अपनी सहेलियों से मैं यही कहना चाहूंगी कि रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के रिश्ते का सबसे खूबसूरत त्योहार है, इसे जरूर धूमधाम से मनाएं। अपने भाइयों के लिए दुआएं करें।

इब्राहिम और मेरे बीच दोस्ती वाली बॉन्डिंग है
सारा अली खान एक्ट्रेस

मेरा भाई इब्राहिम अली खान मुझे पांच साल छोटा है, लेकिन वह मेरे साथ ऐसी दादागिरी दिखाता है, जैसे वह मुझे पांच साल बड़ा हो। इब्राहिम और मेरे बीच दोस्ती वाली बॉन्डिंग है। हमारे बीच कई बार छोटी-छोटी बातों पर झगड़ा भी हो जाता है। इब्राहिम मुझे लेकर पजेसिव और प्रोटेक्टिव दोनों हैं। मुझे परेशान देखकर वह बहुत परेशान हो जाता है। मुझे टेशन से बाहर निकालने की हर संभव कोशिश करता है। इब्राहिम और मैं भाई-बहन से भी ज्यादा दोस्त हैं। हमने साथ में रैप वॉक की है। हम साथ में पार्टी भी करते हैं। गैम्स खेलते जाते हैं। अपने कॉमन दोस्तों के साथ भी हम खूब एंजॉय करते हैं। इब्राहिम मुझे बहुत चाहता है, लेकिन वह कभी भी यह शो नहीं करता। मैं भी अपने भाई से बहुत ज्यादा प्यार करती हूँ। मैं तो उसको तंग कर-करके अपना प्यार जता भी देती हूँ। इब्राहिम और मुझे दोनों को ही रक्षाबंधन का त्योहार बहुत अच्छा लगता है। हम इस त्योहार को ट्रेंडिशनल रूप में मनाते हैं। इब्राहिम से मैं हर साल रक्षाबंधन का गिफ्ट जरूर लेती हूँ, क्योंकि यह मेरा हक है। इब्राहिम कभी भी मुझे रक्षाबंधन का गिफ्ट देना नहीं भूलता है। मैं जिस तरह अपने भाई के साथ रक्षाबंधन का त्योहार पूरे रीति-रिवाज से मनाती हूँ, वैसे ही 'सहेली' की मेरी सहेलियां भी यह त्योहार अपने भाई के साथ धूमधाम से मनाएं।

इस तरह सजाएं रक्षाबंधन वाली थाली

रक्षाबंधन के अवसर पर जब आप राखी, अक्षत, मिठाई वाली थाली को सजाती हैं तो उसमें आपका अपने भाई के लिए प्यार तो नजर आता ही है, साथ ही यह भी पता चलता है कि आप कितनी क्रिएटिव हैं? आप अपनी पसंद के अनुसार राखी वाली थाली को डिफरेंट तरीकों से सजा सकती हैं। इसके लिए आपको कुछ सजावटी सामग्री की जरूरत पड़ेगी। आपको यहां थाली सजाने के कुछ बिल्कुल यूनिक आइडियाज बता रहे हैं।

फ्लोरल थीम थाली: अगर आप इस थीम से अपनी राखी वाली थाली को सजाना चाहती हैं तो सबसे पहले साफ थाली में लाल, पीले या सफेद रंग का कपड़ा बिछाएं। थाली के किनारों पर गेंदा और गुलाब की पंखुड़ियां गोलाकार में सजाएं। साथ ही पत्तियों का इस्तेमाल आप थाली के बीच में भी कर सकती हैं। अगर आपको थाली में दीपक रखना है तो उसे रखकर चारों तरफ फूलों से और पत्तियों से वृत्ताकार डिजाइन बना दें।

कुंदन-मिरर वर्क थाली: अगर आपको थाली को ट्रेंडी लुक देना है, तो इसके लिए थाली को कुंदन और मिरर से सजाएं। इसके लिए सबसे पहले थाली पर एक सुंदर-सा कपड़ा या पेपर बिछाएं। फिर उसमें किनारे पर कुंदन और मिरर को

फेस्टिव ऑर्केजन पर अगर आप ट्रेंडी-डिजाइनर ज्वेलरी कैरी करेगी तो आपका लुक और भी ज्यादा अट्रैक्टिव नजर आएगा। यहां हम बता रहे हैं, कुछ डिजाइनर ज्वेलरीज के बारे में।

कैरी करें डिजाइनर ज्वेलरी
आपको मिलेगा फेस्टिव लुक

को नया अंदाज दे सकते हैं। ये आजकल ट्रेंड में भी हैं।

फेस ब्यूटी को उभारती है: ज्वेलरी का सबसे बड़ा प्रभाव चेहरे पर दिखाई देता है। सही आकार और डिजाइन के ईयर रिंग्स, चेहरे की विशेषताओं को उभारते हैं और चेहरे को अधिक संतुलित दिखाते हैं। लंबे चेहरे पर चौड़े डिजाइन वाले झुमके अच्छे लगते हैं, जबकि गोल चेहरे पर लंबे ईयर रिंग्स अधिक आकर्षक दिखाई देते हैं। सही चयन चेहरे की नेचुरल ब्यूटी को और बढ़ा देता है।

पर्सनलिटी को देती है पहचान: हर व्यक्ति की अपनी एक अलग स्टाइल और पसंद के अनुसार करना चाहिए।

ऑर्केजन को करती है जस्टिफाई: हर अवसर की अपनी अलग मांग होती है। ऑफिस या रोजमर्रा के लिए हल्की और सादगीपूर्ण ज्वेलरी उपयुक्त रहती है, जबकि शादी, त्योहार और विशेष आयोजनों में कुंदन, पोलकी, टैपल ज्वेलरी या डायमंड सेट



ख़बर संक्षेप

फौजी ने भाजपा सरकार को लिया आड़े हाथों

बवानीखेड़ा। कांग्रेस सरकार में सीपीएस रहे रामकिशन फौजी ने भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए शहीद गुलाब सिंह पार्क पहुंचकर कर्मचारियों की मांगों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियां सरकारी कर्मचारियों के हितों के विपरीत हैं। उन्होंने कहा कि जिन कर्मचारियों ने भाजपा को वोट दिया, आज वही अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठने को मजबूर हैं। पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी ने कहा कि स्थिति यह है कि सरकार के विधायक के क्षेत्र में ही कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं।

जनगणना के द्वितीय चरण की तैयारियों के लिए दिए जरूरी निर्देश भिवानी। सोमवार को लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में जनगणना के द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान जनगणना जिला कोऑर्डिनेटर सन्नी बल्हारा ने जिले के सभी चार्ज अधिकारियों को जनगणना कार्य से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। को-ऑर्डिनेटर सन्नी बल्हारा ने जनगणना के द्वितीय चरण के दौरान किए जाने वाले विभिन्न कार्यों, तैयारियों और निर्धारित प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

आत्म जागृति का पर्व है रक्षाबंधन : बीके चंद्रकला

तोशाम। बीके चंद्रकला ने कहा है कि रक्षा बंधन का पावन पर्व वास्तव में मानव को एकता, प्रेम के सूत्र में बांधने की शिक्षा देता है। वे प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय के गांव सरल स्थित केंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि पवित्रता का प्रतीक रक्षाबंधन हमें आत्मिक स्वरूप में परमपिता परमात्मा के दिव्य बंधन में बंधने की प्रेरणा देता है। यह आत्मा को परमात्मा व दूसरी आत्मा से जोड़कर विश्व भ्रातृत्व बढ़ाने वाला स्नेह सूत्र है।

राजकीय विद्यालय सिवाड़ा में लगाए पौधे

बवानीखेड़ा। गांव सिवाड़ा स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में पर्यावरण संरक्षण एवं विद्यालय परिसर को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मुख्य अध्यापक श्री बीरसिंह एवं एसएमसी समिति के प्रधान प्रमोद कुमार व अजय कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ ने पौधों की देखभाल और संरक्षण का संकल्प लिया। मुख्य अध्यापक बीरसिंह ने कहा कि पौधे हमारे जीवन का आधार हैं और पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करना आवश्यक है।

रोजगार कार्यालय में कल लगेगा मेला

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में रोजगार विभाग द्वारा 26 अगस्त को लघु सचिवालय स्थित जिला रोजगार कार्यालय परिसर में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में आईसीआईसीआई बैंक, श्री लक्ष्मी टूल टेक इंजीनियरिंग, भिवाड़ी अलवर, रम्या हेल्थ केयर, सुपर डीलक्स स्पोर्ट्स भिवानी सहित अनेक कंपनियों द्वारा भाग लिया जाएगा।

12 को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत : सुनील तोशाम। एसडीजेएम कम उपमंडल विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन सुनील कुमार ने बताया कि आगामी 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत लगेगी। उन्होंने बताया कि 12 सितंबर की राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन केसों में बैंक रिकवरी, लोन, क्रेडिट कार्ड डिफॉल्ट, बिजली-पानी बिल का बकाया बिल, सरचार्ज माफी, टेलीफोन/मोबाइल बिल, बीएसएनएल, प्राइवेट कंपनियों के बकाया, हाउस टैक्स, वाटर टैक्स, बीमा क्लेम, छोटे दावों का निपटारा, पेंडिंग कोर्ट केस, जो पहले से कोर्ट में चल रहे हैं।

स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना बेहद जरूरी : नगर पालिका अध्यक्ष

झील प्रांगण में जल्द बनेगा योगा शेड 5 लाख की लागत से मिलेगी सुविधा

नपा की ओर से ऐसी सुविधाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे शहरवासियों को अपने आसपास ही स्वस्थ वातावरण मिल सके

दीपक कुमार डुगड़ा ►► बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा दादू नगरी के लोगों को स्वस्थ एवं बेहतर जीवनशैली की दिशा में जल्द ही एक नई सुविधा मिलने जा रही है। नगर पालिका की ओर से झील प्रांगण में करीब 5 लाख रुपये की लागत से योगा शेड का निर्माण करवाया जाएगा। शेड तैयार होने के बाद यहां लोगों को नियमित रूप से योग करने की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही अनुभवी योग प्रशिक्षक की देखरेख में नागरिकों को योग का प्रशिक्षण भी उपलब्ध करवाया जाएगा। नगर पालिका अध्यक्ष सुंदर अत्री ने बताया कि बदलती जीवनशैली और बढ़ती व्यस्तता के बीच लोगों के लिए स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से नगर पालिका की ओर से ऐसी सुविधाओं को बढ़ावा दिया जा रहा



बवानीखेड़ा। बाबा कमाल झील पर निर्माणाधीन योग के लिए शेड।

व्यायान को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं

नगर पालिका अध्यक्ष सुंदर अत्री, सामाजिक संस्था से जुड़े मनीष शंकर, योगाचार्य गजानंद शास्त्री ने शहरवासियों से अपील की कि वे योग, खेलकूद और नियमित व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि योग किसी एक आयु वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी इसे अपनी क्षमता के अनुसार अपना सकते हैं। झील प्रांगण में योगा शेड एवं प्रशिक्षक की सुविधा शुरू होने से लोगों को नियमित अभ्यास के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होगा। नगर पालिका की इस पहल को शहर में स्वास्थ्य एवं फिटनेस गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

है, जिससे शहरवासियों को अपने आसपास ही स्वस्थ वातावरण मिल सके। झील प्रांगण में योग शेड बनने से सुबह और शाम योग एवं व्यायाम करने वाले लोगों को विशेष लाभ मिलेगा।

खेल गतिविधियों को दिया जा रहा बढ़ावा

नपा प्रधान ने कहा कि नगर पालिका बच्चों, युवाओं, महिलाओं, माताओं-बहनों और बुजुर्गों की सुविधाओं को लेकर पूरी तरह सजग है। प्रयास है कि दादू नगरी में हर आयु वर्ग के लोगों को स्वस्थ वातावरण के साथ बेहतर जनसुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। योगा शेड इसी दिशा में उठाया जा रहा एक महत्वपूर्ण कदम है। सुंदर अत्री ने कहा कि बच्चों के लिए पार्कों में झूलें एवं मनोरंजन की सुविधाएं विकसित करने के साथ-साथ युवाओं और महिलाओं के लिए खेल गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। खेल स्टेडियम, पार्क और अब योगशाला जैसी सुविधाएं लोगों को स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेंगी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही स्वस्थ एवं विकसित नगर की पहचान है। नगर पालिका का उद्देश्य दादू नगरी को स्वच्छ, सुंदर, सुरक्षित और स्वस्थ बनाने के साथ-साथ नागरिकों को ऐसी सुविधाएं उपलब्ध करवाना है, जिनसे उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आए।

फोटो : हरिभूमि

वनश्री परियोजना शुरू, 20,000 से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य: बेहरा

■ विद्यार्थियों एवं शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने 500 पौधे लगाए

हरिभूमि न्यूज़ ►► भिवानी

पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास एवं हरित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए टीआईटीएस कॉलेज ने सोमवार को 'वनश्री परियोजना' का शुभारंभ किया। परियोजना के अंतर्गत संस्थान परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में 20,000 से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। परियोजना का शुभारंभ संस्थान के निदेशक प्रोफेसर बीके बेहरा ने त्रिवेणी लगाकर किया। संस्थान की एनएसएस इकाई के अंतर्गत छात्र



भिवानी। कॉलेज परिसर में पौधारोपण करते प्रोफेसर डॉ. बीके बेहरा व अन्य।

छात्राओं एवं सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने 500 पौधे लगाए। प्रोफेसर बेहरा ने कहा कि वनश्री परियोजना 'टीआईटी की शिक्षा, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सतत विकास को एक साथ जोड़कर कार्य

कर रही हैं। हमारा लक्ष्य केवल 20,000 पौधे लगाना नहीं है, बल्कि उन्हें संरक्षित कर सशक्त हरित विरासत का निर्माण करना है। इस मौके पर डॉ. अमनदीप कौर, डॉ. मनोज नंदा आदि मौजूद रहे।

छात्राओं ने सबसे छोटी शासन व्यवस्था पंचायत की कार्यप्रणाली को समझा

बवानीखेड़ा। गांव बलियाली के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में युवा ग्राम सभा एवं ग्राम पंचायत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं ने बड़-चढ़कर भाग लिया और ग्राम सभा तथा ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली का जीवंत चित्रण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने देश की सबसे छोटी शासन व्यवस्था ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली को समझाते हुए गांव की विभिन्न समस्याओं और उनके समाधान पर चर्चा की। कक्षा 12वीं एवं 9वीं की छात्राओं ने अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। सीमा ने सरपंच, नेहा ने ग्राम सचिव तथा आरती ने चौकीदार की भूमिका निभाई। वहीं रुचि, तमन्ना, अंजली, अर्चना, सेजल, अंकुश, स्नेहा, प्रवीण, महक, आशा, मीनाक्षी, आकांक्षी, वर्षा, हिना, मक्कु सहित अन्य छात्राओं ने पंच एवं जन सेवकों की भूमिका निभाई। कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में प्रवक्ता अजय कुमार एवं विनोद कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान प्रवक्ता नरेश कुमार ने किया।



बवानीखेड़ा। गांव बलियाली के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में युवा ग्राम सभा एवं ग्राम पंचायत कार्यक्रम के आयोजन में उपस्थितजन।

शिक्षक सीखी गई नई तकनीकों एवं विधियों का प्रयोग करें: धर्मेन्द्र प्रशिक्षण शिविर में 30 केमिस्ट्री शिक्षकों ने भाग लिया

डाइट बिरहीकलां में पीजीटी केमिस्ट्री का पांच दिवसीय सीपीडी प्रशिक्षण शुरू

हरिभूमि न्यूज़ ►► घरखी दादरी

एससीईआरटी के दिशा-निर्देशों पर डीईओ एवं डाइट प्राचार्य धर्मेन्द्र चौधरी के मार्गदर्शन में डाइट बिरहीकलां में पीजीटी केमिस्ट्री शिक्षकों का पांच दिवसीय सतत व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार से शुरू हुआ। प्रशिक्षण 24 से 29 अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें



जिला चरखी दादरी के विभिन्न राजकीय विद्यालयों से लगभग 30 पीजीटी केमिस्ट्री शिक्षकों ने भाग लिया। डाइट बिरहीकलां के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं प्रशिक्षण प्रभारी नवरल

पांडे ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को नवीन शैक्षणिक दृष्टिकोण, विषयगत दक्षताओं व समकालीन शैक्षिक जरूरतों से जोड़ना है।

प्रशिक्षण का लाभ विद्यार्थियों तक पहुंचे

प्रशिक्षण प्रतिदिन प्रातः 9 बजे प्रार्थना सभा से शुरू होगा। इसके बाद विभिन्न शैक्षणिक एवं विषय-केंद्रित सत्र आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में प्री-टेस्ट, फीडबैक सत्र व एससीईआरटी द्वारा निर्धारित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र होंगे, जिनमें पॉक्स व पौश एवट, आपदा प्रबंधन, समवाेश शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 सहित अन्य समसामयिक शैक्षिक विषय शामिल हैं। वहीं केमिस्ट्री विषय की शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए विषय-केंद्रित विभिन्न टॉपिक्स पर विशेषज्ञ सत्र एवं गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। दोपहर के भोजन के बाद आयोजित सत्र में जिला शिक्षा अधिकारी एवं डाइट प्राचार्य धर्मेन्द्र चौधरी ने प्रशिक्षण में पहुंचकर प्रशिक्षणियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने शिक्षकों से संवाद करते हुए कहा कि प्रशिक्षण प्रक्रिया का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब इसका लाभ सीधे विद्यार्थियों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को अपनी प्रशिक्षण प्रक्रिया और शिक्षण कार्य में बच्चों को केंद्र में रखकर कार्य करना चाहिए तथा कक्षा-कक्ष में सीखी गई तकनीकों एवं विधियों का प्रभावी प्रयोग करना चाहिए। प्रशिक्षण के प्रमुख आयोजकों में डाइट फैकल्टी राकेश गोदररा तथा फिजिक्स प्रवक्ता नरेश कुमार शामिल हैं। वहीं राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पटौपा कलां प्रवक्ता एवं मास्टर ट्रेनर सुन्दल कुमार ने प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस मौके पर लिपिक अभिमन्यु, लिपिक संजय, लिपिक राजेश, लिपिक अजदीप व जोगेंद्र आदि मौजूद रहे।

चार को सजेगा भक्ति एवं कला का रंगमंच



भिवानी। संस्कार भारती की भिवानी इकाई की बैठक में चर्चा करते पदाधिकारी व सदस्य।

■ विभिन्न विद्यालयों की लगभग 20 टीमें भाग लेकर करेंगी प्रतिभा का प्रदर्शन : श्रीभगवान

हरिभूमि न्यूज़ ►► भिवानी

संस्कार भारती की भिवानी इकाई की महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर परिसर में हुई। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर भव्य व राज्यस्तरीय स्वरूप वाली समूह नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता श्री कृष्ण-राधा की दिव्य लीलाओं और लोक संस्कृति पर आधारित होगी। बैठक को संबोधित करते हुए कार्यकारी अध्यक्ष श्रीभगवान शास्त्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन और उनकी लीलाएं समूची मानवता को प्रेम, धर्म और कर्म का संदेश देती हैं। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवाओं में भारतीय संस्कृति, शास्त्रीय एवं लोक कलाओं के प्रति गहरी चेतना जागृत करना है।

जन्माष्टमी पर्व भक्ति और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का महापर्व

संस्कार भारती के मंत्री अनिल पोपली ने कहा कि जन्माष्टमी पर्व भक्ति और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का महापर्व है। कार्यक्रम की संयोजिका सारिका कोकड़ा ने कहा कि प्रतियोगिता से संबंधित नियम, थीम और पंजीकरण प्रपत्र सभी संबंधित शिक्षण संस्थानों को भेजे जा चुके हैं। बैठक में वित्त सचिव प्रवीण सिंघल, सरोज कौशिक, आशा बजाज, संगीता तायल, शंकरलाल, विजय सिंघानिया, पवन कौशिक, गौरव मोड़ा, सुदेश गर्ग, अमृत गौतम, अशोक शर्मा व दिनेश दाधीच आदि मौजूद रहे।

आधुनिक दौर में नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध विरासत से जोड़ना ही संस्कार भारती का प्राथमिक लक्ष्य है। शास्त्री ने बताया कि प्रतियोगिता में शहर एवं आसपास के विभिन्न प्रमुख विद्यालयों की लगभग 20 टीमें भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। कार्यक्रम की सहसंयोजिका सरोज कौशिक एवं गौरव मोड़ा रहेंगे।

एचआईवी जागरूकता अभियान के तहत निकाली जागरूकता रैली

■ बीएलजेएस महाविद्यालय में बनाई मानव शृंखला

हरिभूमि न्यूज़ ►► तोशाम

बीएलजेएस महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब के तत्वावधान में एचआईवी/एड्स जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्र-छात्राओं द्वारा रेड रिबन लोगों के आकार में मानव शृंखला बनाकर की गई, जो एचआईवी एड्स के प्रति एकजुटता और संरक्षण की शृंखला को तोड़ने का प्रतीक बनीं। इसके पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य श्याम वशिष्ठ के नेतृत्व में



तोशाम। तोशाम के कॉलेज में जागरूकता रैली निकालते हुए।

जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें विद्यार्थियों ने बीमारी से घृणा करो, बीमार से नहीं जागरूकता ही बचाव है एड्स को हराना है, देश को बचाना है और हम सबने ठाना है, एड्स को दूर भगाना है जैसे नारों से समाज की जागरूक किया। इस अवसर पर रेड रिबन क्लब

समन्वयक डॉ. रेणु शर्मा, सदस्य डॉ. सुरेश कुमार, एनसीसी अधिकारी डॉ. महेंद्र कुमार, अनिल गोयल, प्रो. अश्विनी, संजय गुप्ता, डॉ. जोगिंदर कुमार, सोमबीर, मोनिका, डीपी सुनील कुमार एवं जसवंत सिंह सहित समस्त स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भाविप की राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में लिटिल हार्टियन्स ने लहराया परचम

भिवानी। केएम कॉलेज में भारत विकास परिषद की मिवांनी शाखा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता हिन्दी व संस्कृत में लिटिल हार्ट्स इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों सुशी, वैमती, अनन्या, मान्या, मितांश व कल्पित ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन कर तृतीय स्थान प्राप्त किया व अपने विद्यालय व अभिभावकों का नाम रोशन किया। विद्यालय के महासचिव संजय गोयल, एसडी पवन गोयल व भावना गोयल ने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया व मविष्य के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर प्रबंधक सतीश गोयल व रवि गोयल, निदेशक रामानंद सिंघल, ऐश्वर्या सिंघल, राहुल गोयल, विनय गोयल निचल गोयल, साक्षी गोयल, प्रियांश गोयल, प्राचार्या आरती शर्मा, मंजु गिरधर व मनोज आदि मौजूद था।



भिवानी। अतिथियों के साथ समूहगान प्रतियोगिता के विजेता लिटिल हार्ट्स के विद्यार्थी।

अधिकारी एटीआर को पोर्टल पर करें अपलोड: डीएमसी

■ समाधान शिविर में सीवर, फॉगिंग, फैमिली आईडी और अन्य समस्याओं पर हुई सुनवाई

हरिभूमि न्यूज़ ►► भिवानी

डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में सोमवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में समाधान शिविर आयोजित हुआ। समाधान शिविर की अध्यक्षता जिला नगर आयुक्त हरबीर सिंह ने की। उन्होंने नागरिकों द्वारा रखी गई सीवरजें जाम, फॉगिंग, फैमिली आईडी आदि समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतकर्ता को कार्रवाई की जानकारी दें और उसके बाद ही एटीआर पोर्टल पर अपलोड करें।

डीएमसी हरबीर सिंह के समक्ष गैर सरकारी सदस्य सुनील वर्मा ने शहर के सभी वार्डों में फॉगिंग और मच्छररोधी दवा के छिड़काव करवाने की समस्या, विद्या नगर से गुरमेल सिंह ने बिजली मीटर कनेक्शन स्थानान्तरण करवाने, सुनील ने दिव्यांगता पेंशन व गांव बड़वा निवासी नथुराम ने बुढ़ापा पेंशन बनवाने, गांव मिताथल निवासी कृष्ण ने चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय से बीएससी सत्र 2021-2024 का लंबित अंतिम परिणाम शीघ्र घोषित करवाने, न्यू भारत नगर निवासी राजेंद्र सिंह व दाणा रोड से भगवान दास कालिया ने सीवरजें सफाई करवाने की शिकायत समाधान शिविर में रखी।

डेढ़ साल पहले टूटी थी जलघर की दीवार, अफसरों से कई बार लगाई दरकार सफ़ाई का पानी नालियों के रास्ते दोपहर तक जलघर के टैंक में पहुंच रहा



भिवानी। जलघर परिसर में जमा नालों से निकला गंदा पानी। नाली व जलघर के टैंक में जमा गंदा पानी।



फोटो: हरिभूमि

जाटू लोहारी में पीने के पानी व सीवर का जलचक्र

हरिभूमि न्यूज़ ►► भिवानी

शायद प्रदेश में भिवानी जिले के जाटू लोहारी गांव एक ऐसा गांव है, जहां पर घरों में पीने के पानी के लिए ट्यूबवैल या नहरी पानी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। यहां पर सुबह के वक्त छोड़ा गया सफ़ाई का पानी नाली व नालों के जरिए दोपहर तक वापस गांव के द्वितीय जलघर के टैंक में पहुंच जाता है। जिसके चलते दूसरा जलघर का टैंक नहरी पानी न पहुंचने की स्थिति में भी लंबालब ही रहता है। साथ ही इसके साथ लगते घरों से

निकलने वाला पानी भी इसी जलघर के टैंक में पहुंच जाता है। मजबूरन जलघर में तैनात कर्मचारी उसी पानी को फिल्टर करके लोगों के घरों में सफ़ाई कर रहे हैं। हलकी सी बारिश के दौरान तो गांव के दो हिस्सों का घरों से निकलने वाला पानी इसी जलघर में आकर ठहरता है। क्योंकि इस जलघर के टैंक के साथ को निकाली गई दिवार टूट जाने के बाद यह समस्या बनी है। हालांकि नहरों में पानी पहुंचता है तो एक या दो दिनों तक पानी उक्त जलघर में पहुंचता है, लेकिन वहां पर पहले से जमा गंदे पानी में मिलने के बाद उसका रंग भी वैसा ही हो जाता है। उक्त जलघर में यह समस्या पिछले डेढ़ साल से बनी है। चूंकि बीते साल भारी बारिश के चलते उक्त गांव जलघर व जोहड़ों का जलस्तर एक समान हो गया था। बाद में किसी तरह से ग्रामीणों ने

गोबर-कचरा पहुंच रहा नालों में

जिस वक्त पानी की सफ़ाई छोड़ी जाती है। उस वक्त ग्रामीण अपने घरों में पशुओं का गोबर व अन्य कचरा पानी के साथ नाली में बहा दिया जाता है नाली का पानी बहकर नालों तक पहुंच जाता है। उसके बाद यही पानी अन्य नालों से होकर जलघर के टैंक तक पहुंच रहा है। यह स्थिति रोजाना ही बन रही है। लोग अपने घरों की पानी से सफ़ाई करके आगे बहा देते हैं। जिस वजह से लगातार नाले भी ओवरफ्लो होकर चौपाल के पास सड़क पर आधा आधा फुट पानी जमा हो रहा है। यह समस्या बिना बारिश के बनी हुई है। अगर बारिश आ जाए तो यहां से गुजरने वाले लोगों को अपने रास्ते बदलने पड़ते हैं।

जलघर का पानी को उतारा। उसके बाद पानी की सफ़ाई नॉर्मल हुई, लेकिन भूमिगत पानी उपर होने की वजह से जलघर में पीने के पानी का स्तर उसी स्थान पर रही है। विगत में हुई बारिश से जलघर के चारों तरफ की दिवारें गिर चुकी है। अब बारिश या घरों से निकलने वाला पानी बैरोकटोंक जलघर के टैंक तक पहुंच रहा है। दूर से देखने पर जलघर नहीं एक

पक्के तालाब जैसा पानी नजर आता है। पानी में सड़ांध व गंदगी होने की वजह से ग्रामीणों को अनेक तरह की बीमारी अपनी चपेट में लेने की आशंका बन गई है। इस बारे में पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों को कई बार मामला संज्ञान में लाया गया, लेकिन अभी तक इस समस्या के समाधान पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है।

जय प्रकाश समरवाल को राजीव गांधी गौरव अवार्ड

हरिभूमि न्यूज़ ►► चरखी दादरी

वैश्विक शांति, सामाजिक सद्भाव, मानव एकता एवं मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत करने की दिशा में कार्यरत अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच की ओर से नई दिल्ली में सद्भावना दिवस महोत्सव का आयोजन किया गया। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती के समारोह अवसर पर आयोजित समारोह में देशभर की 85 विशिष्ट प्रतिभाओं को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में चरखी दादरी शिक्षा विभाग के पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी जय प्रकाश समरवाल को रचनात्मक कार्यों, सामाजिक सेवाओं, सदाचारी जीवन तथा समाजहित में किए जा रहे उल्लेखनीय प्रयासों के लिए प्रतिष्ठित



जयप्रकाश समरवाल को किया सम्मानित

राजीव गांधी गौरव अवार्ड प्रदान किया गया। उन्हें यह सम्मान पूर्व कैबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार डॉ. जितेन्द्र सिंह, हरपाल रावत, विधायक चौधरी रोहताश बेदी, सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. एपी सिंह, समारोह अध्यक्ष डॉ. एससी गणेशिया, नेपाल के जगतगुरु शिव शक्ति बाबा तथा मंच के संयोजक डॉ. कुलदीप प्रसाद शर्मा की उपस्थिति में मिला।

दीपक बाबूलाल करवा ने संमाला बोर्ड सचिव का अतिरिक्त कार्यभार

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के सचिव पद का अतिरिक्त

का यं भार संभालने के बाद दीपक बाबूलाल करवा ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा का स्तर बेहतर करने,

विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास बनाने के उद्देश्य से नई शिक्षा नीति को लागू करने के लिए सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे। बोर्ड द्वारा परीक्षाओं की गुणवत्ता और विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयास जारी रहेंगे। अधिकारियों व कर्मचारियों के सहयोग से बेहतर कार्य परिवेश तैयार कर बोर्ड की कार्यप्रणाली को अधिक प्रतिक्रिया जाएगा।

गांवों में कब्जे हटाने की जिम्मेदारी पंचायत और सरपंच की: उपायुक्त

पंचायत व सरपंच को मिली है एक्ट के तहत शक्तियां

हरिभूमि न्यूज़ ►► चरखी दादरी

पंचायती राज एक्ट के अनुसार गांव में अवैध कब्जों पर कार्रवाई की जिम्मेदारी पंचायत एवं सरपंच की है। एक्ट में पंचायत एवं सरपंच को इस काम के लिए शक्तियां प्रदान की गई हैं। जिला प्रशासन अवैध कब्जों को हटाने के लिए संबंधित पंचायत एवं सरपंच को सहायता देने के लिए हमेशा तैयार है।

समाधान शिविर में लोगों की शिकायतों की सुनवाई करते हुए उपायुक्त मनदीप कौर ने यह बात कही। उन्होंने एक गांव के सरपंच



भिवानी। समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनती उपायुक्त मनदीप कौर।

द्वारा अवैध कब्जों को लेकर रखी गई शिकायत को लेकर स्पष्ट किया कि पंचायती राज एक्ट के माध्यम से पंचायत एवं सरपंच को कई प्रकार की शक्तियां मिलती हैं, जिनमें गांव से अवैध कब्जे हटाने की शक्ति भी शामिल है। पंचायत एवं सरपंच को अपने स्तर पर ही अवैध कब्जों को कार्रवाई करनी होती है। जिला

प्रशासन इस कार्य में केवल सहयोग कर सकता है और इसके लिए प्रशासन हमेशा तैयार है। समाधान शिविर में उपायुक्त ने नागरिकों की शिकायतें सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आमजन की प्रत्येक शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए।



भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागी व अन्य।

गिरिशा वैश मांडल स्कूल प्रथम

विज्ञान संगोष्ठी में प्रथम स्थान - गिरिशा वैश मांडल स्कूल, भिवानी। द्वितीय स्थान - हितांशु हलवाय विद्या विहार, भिवानी। तृतीय स्थान - दीक्षा गवर्नमेंट मांडल संस्कृति, भिवानी। तृतीय स्थान - मेहा गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मथाना, सांजवा पुरस्कार - द्वितीय सेट जेवियर्स स्कूल, भिवानी और वेदंतिरक्ष स्कूल में प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में खंड शिक्षा अधिकारी युद्धवीर सिंह ने इस उत्कृष्ट आयोजन के लिए सेट जेवियर्स स्कूल का विशेष धन्यवाद किया।

प्रस्तुति दी। इस अवसर पर उपस्थित विशिष्टों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों का अवलोकन किया और उन्हें महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने

30 तक मतदाता सूची में करा सकेंगे संशोधन

चरखी दादरी। जिले में एसआईआर-2026 के तहत मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का अभियान चल रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त मनदीप कौर ने पात्र नागरिकों से सूची में अपना नाम और विवरण जांचने की अपील की है। उन्होंने बताया कि 1 जुलाई 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके नागरिक नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भर सकते हैं। नाम हटवाने के लिए फॉर्म-7 और नाम, पता, आयु या फोटो में संशोधन के लिए फॉर्म-8 भरना होगा। आवेदन ऑनलाइन पोर्टल या संबंधित ईआरओ-एईआरओ कार्यालय में जमा किए जा सकते हैं। 29 और 30 अगस्त को विशेष अभियान दिवस पर बीएलओ मतदान केंद्रों पर मौजूद रहेंगे। आवेदन जमा कराने की अंतिम तिथि 30 अगस्त है।

सीबीएलयू ने मर्सी चांस की फीस दस हजार एबीवीपी ने कम करने की उठाई मांग

विद्यार्थियों के हित में विवि प्रशासन को सौंपा ज्ञापन, मांग पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज़ ►► भिवानी

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय इकाई द्वारा विद्यार्थियों के हित से जुड़े महत्वपूर्ण विषय को लेकर विवि प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से एबीवीपी विवि इकाई मंत्री सलोनी सेनी ने बताया कि विवि द्वारा वर्ष 2014 से 2024 तक के पास आऊट विद्यार्थियों के लिए



भिवानी। कुलपति डॉ. दीपति धर्माणी को ज्ञापन सौंपते एबीवीपी के सदस्य।

मर्सी चांस परीक्षा का मौका दिया है, लेकिन विवि ने इसकी फीस छह हजार व 10 हजार रुपये रखी है, जो बहुत ज्यादा है। एबीवीपी विवि प्रशासन से मांग करता है मर्सी चांस

की फीस कम की जाए, ताकि किसी कारणवश निर्धारित समय में अपनी डिग्री पूर्ण नहीं कर सके ज्यादा से ज्यादा पूर्व विद्यार्थियों को लाभ मिल सके।

चीनी की जमाखोरी करने पर होगी सख्त कार्रवाई

व्यापारियों के लिए स्टॉक सीमा निर्धारित

हरिभूमि न्यूज़ ►► चरखी दादरी

हरियाणा सरकार ने प्रदेश में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने और जमाखोरी पर रोक लगाने के लिए नई स्टॉक सीमा लागू की है। उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि शुगर (कंट्रोल) ऑर्डर, 2025 के तहत कोई व्यापारी चीनी का स्टॉक प्राप्त होने की तारीख से 30 दिन से अधिक नहीं रख सकेगा। किसी भी स्थान या समय पर अधिकतम

4,000 क्विंटल यानी 400 मीट्रिक टन स्टॉक रखने की अनुमति होगी। सभी व्यापारियों के लिए डीएफपीडी के आधिकारिक पोर्टल पर पंजीकरण और वर्तमान स्टॉक की घोषणा अनिवार्य की गई है। प्रत्येक शुक्रवार स्टॉक का विवरण अपडेट करना होगा। यह आदेश 1 अगस्त से 30 नवंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्रवाई होगी। प्रशासन ने लोगों से अपवाहों पर ध्यान न देने और अनावश्यक चीनी खरीदकर जमाखोरी न करने की अपील की है।



सीजेएम ने मध्यस्थता केंद्र का किया निरीक्षण

चरखी दादरी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दादरी द्वारा ललित विवादों का मध्यस्थता के माध्यम से शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दादरी देशराज चालिया के मार्गदर्शन में इन प्रयासों को गति दी जा रही है। इसी कड़ी में सोमवार को सीजेएम-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दादरी संजीव काजला ने मध्यस्थता केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं, मध्यस्थता के माध्यम से मामलों के निस्तारण की प्रगति तथा अन्य संबंधित कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीजेएम संजीव काजला ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि मध्यस्थता के माध्यम से अधिक से अधिक मामलों का प्रभावी एवं शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, पक्षकारों को मध्यस्थता के लाभों के प्रति जागरूक करने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता विवादों के शक्तिपूर्ण समाधान का प्रभावी माध्यम है। इसके जरिए पक्षकार आपसी सहमति से अपने विवाद का समाधान कर सकते हैं, जिससे समय और संसाधनों की बचत होती है। उन्होंने मध्यस्थता केंद्र की कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाने तथा पक्षकारों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए।

राज्य स्तरीय खेलकूद स्पर्धा में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम अंडर-17 कराटे में दादरी रहा प्रथम

हरिभूमि न्यूज़ ►► चरखी दादरी

59वीं राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के तहत दादरी में तीन दिन तक चले मुकाबलों में प्रदेशभर से पहुंचे खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान तीनों दिन टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। खिलाड़ियों ने जीत के लिए पूरा दमखम लगाया और खेल मैदानों पर उत्साह व जोश का माहौल बना रहा। शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार को अंडर-19 कबड्डी के फाइनल मुकाबले में पानीपत की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महेंद्रगढ़ को हराकर टॉपी अपने नाम की। कैथल की टीम तीसरे स्थान पर रही। वहीं कराटे प्रतियोगिता में भी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन



चरखी दादरी। खिलाड़ियों को सम्मानित करते जिला शिक्षा अधिकारी व अन्य।

किया। अंडर-17 आयुवर्ग में दादरी की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि जीद दूसरे और कैथल तीसरे स्थान पर रहा। अंडर-19 आयुवर्ग में जीद ने पहला स्थान प्राप्त किया। भिवानी की टीम दूसरे तथा दादरी की टीम तीसरे स्थान पर रही। अंडर-14 आयुवर्ग में कुरुक्षेत्र ने प्रथम, जीद ने द्वितीय और दादरी ने तृतीय स्थान हासिल किया। बता दें कि तीन

दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से खिलाड़ियों और टीम प्रभारियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान कबड्डी के अंडर-14, अंडर-17 व अंडर-19 मुकाबले कैथन जिले सिंह स्कूल, बरसाना में हुए। वहीं कराटे के विभिन्न आयुवर्ग के मुकाबले वैश्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दादरी में हुए।

विशेष बच्चों के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला

भिवानी। आदर्श रिहैबिलिटेशन सेंटर एवं स्पेशल स्कूल में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा और पुनर्वास को प्रभावी बनाने के लिए आयोजित तीन दिवसीय सतत कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यक्रम का मुख्य विषय व्यक्तिगत शिक्षा योजना (आईईपी) रहा। संस्था के निदेशक डॉ. राजेश कुमार श्योराण और संसाधन अध्यापक डॉ. संदीप कुमार ने प्रतिभागियों को आईईपी से जुड़ी महत्वपूर्ण एवं व्यावहारिक जानकारी दी। प्रतिभागियों ने गतिविधियों और चर्चा के माध्यम से आईईपी तैयार करने, लक्ष्य निर्धारित करने, बच्चों की क्षमताओं के अनुसार शिक्षण योजना बनाने और प्रगति का मूल्यांकन करने की प्रक्रिया सीखी। निदेशक डॉ. राजेश श्योराण ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं विशेष शिक्षकों को ज्ञान और कौशल अपडेट करने का अवसर देती हैं, जिसका लाभ बच्चों की शिक्षा और पुनर्वास में मिलता है। इस अवसर पर संस्था सचिव डॉ. सूरिता श्योराण सहित स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

पटवारी-कानूनगो ने लघु सचिवालय परिसर के बाहर की नारेबाजी

मांगों पूरी नहीं हुई तो 26 से अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे

हरिभूमि न्यूज़ ►► भिवानी

दी रेवेन्यू पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन के आह्वान पर 20 व 21 से दिया जा रहा सांकेतिक धरना सोमवार को भी जारी रहा। एसोसिएशन के राज्य उपप्रधान विकास राठी ने कहा कि राजस्व विभाग द्वारा जारी लिखित पत्र के बाद भी नए पोर्टल में तकनीकी खामियां अब भी आ रही हैं। नए पोर्टल के लिए लैंड रिक्तों मैनुअल में जरूरी बदलाव किए जाए और पोर्टल को कानूनी मान्यता के लिए संशोधित लैंड रिक्तों मैनुअल जल्द जारी किया जाए। डिजिटल क्रॉप सर्वे को अन्य राज्यों की



भिवानी। लघु सचिवालय परिसर के बाहर हड़ताल के दौरान नारेबाजी करते दी रेवेन्यू पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन के सदस्य व अन्य।

तर्ज पर प्राइवेट एजेंसी से करवाया जाए। रोवर से पैमाइश के लिए सभी कानूनगो को तकनीकी सक्षम ऑपरेटर दिया जाए और सभी को पूर्ण ट्रेनिंग दी

जाए। पटवारियों की तर्ज पर कानूनगो को इंफ्रीमेट वाला फाइल को मंजूरी दी जाए जो तीन साल से लंबित है। राठी ने कहा कि नए पटवारियों से सम्बन्धित

चरखी दादरी: सांकेतिक धरने का तीसरा दिन

चरखी दादरी। पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन का जिला मुख्यालय स्थित किला मैदान में सांकेतिक धरना सोमवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। जिला प्रधान कुलबीर छिल्लर की अध्यक्षता में पटवारियों व कानूनगो ने मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ रोष जताया। उन्होंने जमाबंदी व इंतकाल पोर्टल की तकनीकी खामियां हट कर देने, संशोधित लैंड रिक्तों मैनुअल जारी करने, नवनिर्गुप्त पटवारियों का नोटिफिकेशन जारी करें 1 जनवरी 2025 से लंबित वेंतन हरियर देने की मांग की। इसके अलावा डिजिटल



काँप सर्वे निजी एजेंसी से करवाने, कानूनगो को तकनीकी ऑपरेटर उपलब्ध कराने और पटवारियों को ऑनलाइन कार्यों के लिए टैब देने की मांग उठाई। धरने को विभिन्न संगठनों ने समर्थन दिया।

फाइल कैबिनेट से मंजूर हो चुकी है उसका नोटिफिकेशन जारी किया जाए एवं 1 जनवरी 2025 से लंबित वेंतन का

एरियर जल्द जारी किया जाए। 25 अगस्त तक मांगों को पूरा नहीं किया तो 26 अगस्त से सांकेतिक धरने को

अनिश्चितकालीन हड़ताल में बदल दिया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी सरकार व राजस्व विभाग की होगी।